वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन, पर्यावरण एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "वन प्रबंधन" विषय पर 18.02.20 से 20.02,20 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के तत्वाधान में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित **"वन प्रबंधन"** विषय पर दिनांक 18.02.20 से 20.02.20 तक संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन संस्थान के समुह समन्वयक (अनुसंधान)सह पाठ्यक्रम निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के समुह समन्वयक (अनुसंधान) सह पाठ्यक्रम निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक डा. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार, एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित थे| इस प्रशिक्षण मे झारखंड राज्य के वनकर्मी,गैर सरकारी संस्था के सदस्य, पंचायत सदस्य,विद्यार्थी आदि के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया |

पाठ्यक्रम निदेशक सह समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता एवं इसकी रूप रेखा प्रस्तुत किया | प्रतिभागियों की सहभागिता पर हर्ष व्यक्त करते हुये इन्होने बताया की "वन प्रबंधन की आवश्यकता क्यों " और इस विषय पर क्या किया जाय इस पर चर्चा की | प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय के सभी पहलुओं पर भी विशेषज्ञों द्वारा आप तक पहुचाने का प्रयास किया जाएगा| तकनीकी सुधार से वनों का विकास किया जा सकता है| इन्होने वनों के वारे ,वनों का वर्गिकरण तथा वनों का प्रवंधन कैसे करें कि वनो का ह्रास न हो और पर्यावरण के साथ साथ आजीविका का भी साधन वना रहे साथ ही साथ संयुक्त वन प्रबंधन आदि पर चर्चा किया|

प्रथम दिन

कार्यक्रम के पहले दिन के प्रथम सत्र में मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री रवि शंकर प्रसाद ने वन प्रवंधन विषय पर चर्चा किया| इनहोने वताया की वनों के विभिन्न प्रजातियों से वीज संग्रह कर नये और स्वस्थ पौधे कैसे तैयार कर वनों का विकास किया जा सकता है | इन्होने संयुक्त वन प्रवंधन के इतिहास पर भी चर्चा किया| वन प्रवंधन एवं वनों के प्रजातियों का संरक्षण पर ज़ोर दिया जो बहुउपयोगी है | प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा ने वन प्रवंधन की उपयोगिता,एवं वनों के विभिन्न प्रजातियों से वनों मे बीज संग्रह करने के वारे मे बताया तथा प्रतिभागियों द्वारा पुछे गए प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर दिया| डा.अनिमेष सिन्हा ने वनों के विभिन्न प्रजातियों के सूक्ष्म प्रजनन,प्रयोगशाला में पौध निर्माण ,पादप उत्तक संबर्धन आदि को चरणबद्ध तरीके से बताया | इन्होने पादप उत्तक संबर्धन उसकी प्रजाति एवं अनु वांशिकी सुनिश्चित रहने पर चर्चा की | प्रयोगशाला में पौध तैयार करने के बाद सख्तीकरण हेतु विभिन्न चरणों से गुजरने के बाद ही क्षेत्र में रोपण योग्य तैयार होता है

द्वितीय दिन

प्रथम सत्र में वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने वनो के विभिन्न प्रजातियों के वीज को संग्रह करने उसके उपचार एवं वीजों को किस प्रकार लंबे समय तक रखा जाय की उसकी viability वरकरार रहे| वन प्रवंधन के साथ-साथ कृषि वानिकी के आयामों पर भी चर्चा की गयी एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों का संतोषजंक उत्तर से अवगत कराया|
श्री रवि शंकर मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री एस .एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री सुभाष प्रसाद वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने प्रतिभागियों को क्षेत्र भ्रमण के साथ -साथ वन प्रजाति के पहचान, एवं वीज संस्करण से अवगत कराया| श्री विमलेंदु कुमार प्रोफेसर, साइ नाथ विश्वविद्यालय रांची ने अपनी प्रस्तुति में वताया कि समाज विकास मे काष्ठ एवं ईंधन रूप में उपयोग एवं पुनरावृति हेतु वन सम्पदा एक उपयुक्त संसाधन है| इमारती जरूरतों को पूरा करने के लिए काष्ठ पर्यावरण के दृष्टि से भी एक उपयुक्त पदार्थ है | ईंधन हेतु समाज विशेषकर आदिवासी समाज वहुत हद तक वनों पर आश्रित हैं, यदि वनो का वेहतर प्रबंधन हो तो आजीवीका के साथ प्रयावरण को भी सुरक्षित वनाया जा सकता है।

तृतीय दिवस

प्रशिक्षण के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में डा. योगेश्वर मिश्रा ,पाठ्यक्रम निदेशक ने Seed Production Area, Clonal seed orchard, selection of Plus Trees and Marking विषय पर चर्चा किया | इनहोने वन के विभिन्न प्रजातियों के आनुवांशिक संसाधनों को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से बताया | कार्यक्रम के समापन समारोह मे प्रतिभागियों ने अपना-अपना विचार प्रस्तुत किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की|

समापन सत्र में संस्थान के निदेशक , डा. नितिन कुलकर्णी द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किया गया| अपने सम्बोधन में निदेशक ने वन , पर्यावरण एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे इस तरह के प्रशिक्षण से भविष्य में वन प्रवर्धन के द्वारा पर्यावरण के साथ -साथ आजीविका प्रवंधन किया जा सके इस पर भी चर्चा किया | उन्होने निकट भविष्य में इसी प्रकार के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। संस्थान के समुह समन्वयक (अनुसंधान) ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न विषय विंदुओं पर पुन: चर्चा की तथा झारखंड सरकार के वन अधिकारियों को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया| तीन दिवसीय प्रशिक्षण मे विस्तार प्रभाग के श्री एस .एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्रीमती सुमिता सरकार,श्रीमती सुजाता मिंज,श्री अरविंद कुमार सिंह , श्री ज्योंतो चक्रवर्ती का विशेष सहयोग रहा | श्री आदित्य कुमार वैज्ञानिक डी, ने धन्यवाद तथा प्रतिभागियों को भविष्य की शुभकमनाएं दी।

उद्घाटन समारोह की झलकिया

प्रतिभागियो का फिल्ड भ्रमण एवम प्रतिभागियो द्वारा फीड बैक

समापन समारोह एवम प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र वित्रण

समूह फोटोग्राफी